11 दिसम्बर 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc

moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- चिली के केंद्रीय बैंक के अनुसार दुनिया के शीर्ष तांबा उत्पादक चिली से नवंबर में तांबें का निर्यात 3.96 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो एक साल पहले की तुलना में 3.8% अधिक है।
- सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार चीन में तांबा अयस्क और कंसेंन्ट्रेट का आयात पिछले साल के 2.41 मिलियन मीट्रिक टन से थोड़ा बढ़कर इस नवंबर में 2.44 मिलियन टन हो गया। पहले 11 महीनों में कुल आयात एक साल पहले से 8.4% बढ़कर 25.07 मिलियन टन हुआ है।
- भारत ने मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- भारत ने मटर आयात शुल्क निलंबित कर दिया है। भारत मटर पर अपना निषेधात्मक आयात शुल्क अस्थायी रूप से हटा रहा है। 50 प्रतिशत शुल्क 8 दिसंबर, 2023 से शुरू होकर 31 मार्च, 2024 तक हटाया जा रहा है।
- केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के अनुसार, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत खाद्यान्न की खरीद 2014-15 के 759.44 लाख टन से बढ़कर 2022-23 में 1062.69 लाख टन हो गई।
- मेघालय की लाकाडोंग हल्दी को भौगोलिक संकेत टैग मिला है।
- कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने 1 अक्टूबर को सीजन की शुरुआत के बाद से 900 करोड़ मूल्य की 2.5 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) कपास की खरीददारी की हैं।
- भारतीय तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण सेल के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में भारत की ईंधन मांग 19.26 मिलियन टन से 2.8% गिरकर 18.72 मिलियन टन हो गई।
- 150 प्रमुख भारतीय जलाशयों में जल स्तर गुरुवार को लगातार नौवें सप्ताह कम हुआ है और जल भंडारण 178.784 बिलियन क्यूबिक मीटर क्षमता का 64 प्रतिशत या 115.172 बिलियन क्यूबिक मीटर तक कम हो गया है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	01.12.23	07.12.23	बदलाव (%)
गुड़	1200.00	1299.00	8.25%
कॉटनऑयलसीडकेक	2933.00	2956.00	0.78%
मक्का	2189.00	2206.00	0.78%
कपास	1563.50	1571.00	0.48%
स्टील	43470.00	43560.00	0.21%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	01.12.23	07.12.23	बदलाव (%)
मेंथा ऑयल	922.30	942.00	2.14%
सोना	62369.00	62466.00	0.16%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	01.12.23	07.12.23	बदलाव (%)
जीरा	44115.00	37000.00	-16.13%
धनिया	8166.00	7288.00	-10.75%
ग्वारगम	11211.00	10942.00	-2.40%
सीसेमसीड	17870.00	17545.00	-1.82%
कैस्टर ऑयल	5995.00	5926.00	-1.15%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	01.12.23	07.12.23	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	236.30	214.80	-9.10%
कच्चा तेल	6281.00	5802.00	-7.63%
चांदी	78087.00	74313.00	-4.83%
जिंक	225.30	217.60	-3.42%
एल्युमीनियम	201.80	195.10	-3.32%

साप्ताहिक समीक्षा

कई हफ्तों की मंदी के माहौल के बाद सीआरबी सूचकांक 300 अंक को पार कर गया। सर्राफा में दोनों तरफ महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। सोने की कीमतें एमसीएक्स और कॉमेक्स दोनों पर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, लेकिन डॉलर इंडेक्स में नए सिरे से खरीदारी के कारण इन स्तरों को बनाए रखने में विफल रहा। सोने की कीमतें 64,640 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि चांदी की कीमतें एमसीएक्स पर 78,590 के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, लेकिन दर में कटौती के अनुमान और सुरक्षित-निवेश मांग के कारण 74,500 के करीब बंद हुई। कमजोर मांग और प्रचुर आपूर्ति के कारण कच्चे तेल की कीमतों को सात सप्ताह तक गिरावट का सामना करना पड़ा और वैश्विक स्तर पर आपूर्ति सरप्लस को लेकर चिंता, और कमजोर चीनी मांग कीमतें नाइमेक्स पर 70 डॉलर और एमसीएक्स पर 60,000 के अहम स्तर से नीचे टूट गई। चीनी सीमा शुल्क आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में कच्चे तेल का आयात एक साल पहले की तुलना में 9% कम हो गया, क्योंकि अधिक भंडार स्तर, कमजोर आर्थिक संकेतक और स्वतंत्र रिफाइनरों के धीमे ऑर्डर ने मांग को कमजोर कर दिया। नेचुरल गैस की कीमतें भी गिरावट के साथ बंद हुई और चीनी आर्थिक मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिलने से सभी बेस मेटल की कीमतों में नरमी का रूझान रहा।

कृषि क्षेत्र में, बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण अरंडी की कीमत निचले स्तर से बढ़ गई। अरंडीमील और तेल जैसे उप-उत्पादों की मांग बढ़ गई है, जिससे मिल मालिकों के लिए पेराई मार्जिन अनुकूल हो गया है। सूरजमुखी वायदा लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। कॉटन कैंडी वायदा की कीमतों में मामूली बढ़त देखी गई, लेकिन कॉटनऑयलसीड केक वायदा की कीमतें लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुई। कमजोर उत्पादन अनुमान और सर्दियों के मौसम में कपास की बढ़ती मांग से कीमतों की तेजी को समर्थन मिला। देश भर के विभिन्न कपास उत्पादक क्षेत्रों, मुख्य रूप से आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों में कपास की कीमतों में गिरावट के बाद भारतीय कपास निगम ने करीब 3 लाख गांठ कपास की खरीद की है। भारतीय कपास की कीमतों की प्रतिस्पर्धात्मकता मौजूदा दरों पर निर्यात को अव्यावहारिक बना रही है जिससे कीमतों में अत्यधिक वृद्धि पर रोक लग जाती है। ग्वार बाजार में तीसरे सप्ताह भी बिकवाली का दबाव बना रहा। मसालों में, अधिक बुआई क्षेत्र के बीच सटोरियों की बिकवाली के कारण जीरा की कीमतों में 44,700 से 36,000 तक की भारी गिरावट देखी गई। गुजरात में जीरे की आक्रामक बुआई और सुस्त निर्यात से बाजार सेंटीमेंट पर असर पड़ा। गुजरात में 4 दिसंबर तक गुजरात में 3.76 लाख हेक्टेयर में जीरा की बुआई हुई है जबकि पिछले वर्ष 1.44 लाख हेक्टेयर में बुआई की गई थी। हाजिर बाजार में बिकवाली के दबाव में हल्दी और धनिया भी कमजोर बंद हुए। घरेलू मांग कम होने के कारण निजामाबाद बाजार में हल्दी की हाजिर कीमतें 12,446 पर रहीं। कोटा बाजार में धनिया की हाजिर कीमतें सीमित नुकसान के साथ लगभग स्थिर रही हैं, जो 7,964 पर हैं। गुजरात में देरी से बुआई के कारण 2023 में अब तक बुआई गतिविधियाँ धीमी हैं, क्योंकि 4 दिसंबर तक केवल 97.8 हजार हेक्टेयर में धनिया की बुआई हुई है जबकि पिछले वर्ष 1.75 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। घरेलू बाजार में खरीदारी बढ़ने से मेंथाऑयल वायदा की कीमतों में लगातार तीसरे हफ्ते तेजी रही। 2023 में उत्पादन में गिरावट के साथ आपूर्ति में गिरावट आई है, जिससे कीमतों को मदद मिल रही है।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	01.12.2023	07.12.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2,146.05	2,140.00	-0.28%
चना	दिल्ली	6353.05	6301.95	-0.80%
धनिया	कोटा	8223.60	7804.85	-5.09%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	789.40	770.75	-2.36%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1375.00	1388.00	0.95%
ग्वारसीड	जोधपुर	5610.00	5541.00	-1.23%
ग्वारगम	जोधपुर	11394.00	11099.00	-2.59%
जीरा	ऊंझा	45863.90	39900.20	-13.00%
सरसों	जयपुर	5940.30	5861.60	-1.32%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	952.50	920.00	-3.41%
सोयाबीन	इंदौर	5084.25	5029.35	-1.08%
हल्दी	निजामाबाद	13467.20	13266.25	-1.49%
गेहूं	दिल्ली	2804.30	2754.00	-1.79%
कॉटन	कड़ी	26628.25	26532.60	-0.36%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2942.25	2907.70	-1.17%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	01.12.2023	07.12.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2209.00	2132.50	-3.46%
तांबा	LME	नकद	8610.50	8342.00	-3.12%
लेड	LME	नकद	2119.00	2018.00	-4.77%
निकल	LME	नकद	17042.00	16508.00	-3.13%
जिंक	LME	नकद	2509.50	2406.50	-4.10%
सोना	COMEX	जनवरी	2089.70	2046.40	-2.07%
चांदी	COMEX	जनवरी	25.61	23.82	-6.99%
लाइट क्रूड	NYMEX	जनवरी	74.07	69.34	-6.39%
नेचुरल गैस	NYMEX	जनवरी	2.81	2.59	-8.14%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	01.12.2023	07.12.2023	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	जनवरी	13.60	13.44	-1.18%
सोया तेल	CBOT	जनवरी	51.45	51.13	-0.62%
कॉटन	ICE	मार्च	78.42	82.59	5.32%
सीपीओ	BMD	फरवरी	3,874.00	3,702.00	-4.44%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	30.11.2023 क्वांटिटी	07.12.2023 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	24163	24163	0
बाजरा	मी.टन	774	774	0
मक्का	मी.टन	0	0	0
कैस्टर सीड	मी.टन	10460	8187	-2273
चना	मी.टन	7789	7873	84
धनिया	मी.टन	0	645	645
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	21848	22038	190
ग्वारगम	मी.टन	18385	19490	1105
ग्वारसीड	मी.टन	9	9	0
जीरा	मी.टन	1919	1829	-90
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉन्ग	मी.टन	522	522	0
हल्दी	मी.टन	2368	2771	403

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	01.12.2023 क्वांटिटी	07.12.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	884	884	0
तांबा	मी.टन	5171341	4776774	-394567
सोना	किग्रा	443	361	-82
सोना मिनी	किग्रा	2464	2464	0
सोना गिनी	किग्रा	92200	88700	-3500
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	97212	92900	-4312
चांदी एम	किग्रा	36358	36358	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 01.12.2023	स्टॉक की स्थिति 07.12.2023	अंतर
एल्युमीनियम	452900	442500	-10400.00
तांबा	174900	182750	7850.00
निकल	46248	48360	2112.00
लेड	134600	133625	-975.00
जिंक	222700	218550	-4150.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	जनवरी	37180.00	10.10.23	मंदी	58000.00	-	40100.00	40200.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	14758.00	20.09.23	मंदी	15000.00	-	13250.00	13300.00
NCDEX	ग्वारसीड	जनवरी	5559.00	05.10.23	तेजी	5500.00	5350.00	-	5300.00
NCDEX	कैस्टरसीड	जनवरी	5935.00	14.09.23	मंदी	6300.00	-	6320.00	6350.00
NCDEX	स्टील लांग	जनवरी	44350.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	46800.00	47000.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	जनवरी	2842.00	02.08.23	तेजी	2820.00	2730.00	-	2700.00
MCX	मेंथा ऑयल	दिसम्बर	942.00	27.09.23	मंदी	930.00	-	957.00	960.00
MCX	बुलडेक्स	दिसम्बर	16250.00	10.10.23	तेजी	15000.00	15950.00	-	15900.00
MCX	चांदी	मार्च	74313.00	10.10.23	तेजी	69000.00	72200.00	-	72000.00
MCX	सोना	फरवरी	62466.00	10.10.23	तेजी	57500.00	61450.00	-	61400.00
MCX	तांबा	दिसम्बर	715.20	01.11.23	तेजी	707.00	707.00	-	705.00
MCX	लेड	दिसम्बर	182.15	28.11.23	साइडवेज	187.00	178.00	188.00	-
MCX	जिंक	दिसम्बर	217.60	01.11.23	तेजी	220.00	207.00	-	205.00
MCX	एल्युमिनियम	दिसम्बर	195.10	28.11.23	साइडवेज	202.50	190.00	200.00	-
MCX	कच्चा तेल	दिसम्बर	5802.00	01.11.23	मंदी	6800.00	-	6370.00	6400.00
MCX	नेचुरल गैस	दिसम्बर	214.80	01.11.23	तेजी	290.00	195.00	-	190.00

*06/12/2023 का बंद भाव

नाटः 1. कभी–कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

नेचुरल गैस (दिसम्बर) एमसीएक्स

नेचुरल गैस (दिसम्बर) एमसीएक्स उच्चस्तर: 330.50 निचला स्तर: 207.30

एमसीएक्स में नेचुरल गैस(दिसम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 07 दिसम्बर 2023 को 214.80 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 235.67 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 19.74 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

195.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 250.00 रू के टारगेट के लिए 210.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

हल्दी (अप्रैल) एनसीडीईएक्स

हल्दी (अप्रैल) एनसीडीईएक्स उच्च स्तर: 18020.00 निचला स्तर: 13650.00

एनसीडीईएक्स में हल्दी (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 07 दिसम्बर 2023 को 14758.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 15102.00 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 38.52 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

15300.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 14150.00 रू के टारगेट के लिए 14950.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

तांबा (दिसम्बर) एमसीएक्स

तांबा (दिसम्बर) एमसीएक्स उच्चस्तर: 727.00 निचला स्तर: 698.00

एमसीएक्स में तांबा (दिसम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 07 दिसम्बर 2023 को 715.20 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 717.783 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 55.938 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

705.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 735.00 रू के टारगेट के लिए 715.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ने से हल्दी की कीमतों में नरमी रही। कमजोर घरेलू मांग ने स्टॉकिस्टों को नए फसल सीजन की शुरुआत से पहले अपना स्टॉक बेचने के लिए बढ़ावा दिया। बाजार की नजर मौजूदा फसल प्रगति पर है जो संतोषजनक दिख रही है। तेलंगाना और महाराष्ट्र में फसल की प्रगति के लिए अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण उपज की संभावनाएं बेहतर हुई। लेकिन, हल्दी के तहत कम एकड़ के कारण चालू वर्ष (2023-24) के 10.45 लाख टन के उत्पादन की तुलना में कुल उत्पादन कम रहने की संभावना है। हल्दी के तहत कम रकबा के मद्देनजर ऐसा लगता है कि वर्ष 2024-25 के लिए कुल उत्पादन में कम से कम 8%-10% गिरावट होने की संभावना है। हल्दी की कीमतों में हाल ही में गिरावट के बाद आने वाले महीनों में हल्दी निर्यात बढ़ने की उम्मीद है जिससे हल्दी की कीमतों में बड़ी गिरावट को रोक लग सकती है। बांग्लादेश में आयात में गिरावट के साथ सितंबर-24 में भारतीय हल्दी का निर्यात साल-दर-साल 35% गिरकर 9.0 हजार टन हो गया। आने वाले दिनों हल्दी की कीमतों के 14100-15300 के दायरे में रहने की संभावना है।

गुजरात और राजस्थान में अधिक उत्पादन की संभावनाओं के कारण जीरा वायदा की कीमतों में गिरावट का दौर फिर से शुरू हो गया। गुजरात में जीरा की ताबड़तोड़ बुआई और सुस्त निर्यात ने बाजार के सेंटीमेंट पर असर डाला। गुजरात में 4 दिसंबर तक गुजरात में 3.76 लाख हेक्टेयर में जीरा की बुआई हुई है जबकि पिछले वर्ष 1.44 लाख हेक्टेयर में बुआई की गई थी। बाजार में गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता और मिल मालिकों के पास कम स्टॉक के कारण हाजिर कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लगी है क्योंकि हाजिर कीमतें वायदा कीमतों की तुलना में लगभग 3000 के प्रीमियम पर चल रही है। मार्च-24 में नए फसल सीजन से पहले घरेलू आपूर्ति बढ़ने से प्रीमियम पर चल रही हाजिर कीमतें धीरे-धीरे कम हो जाएंगी। बेहतर उत्पादन संभावनाओं के कारण जीरा में कमजोरी जारी रहने की संभावना है, जिससे घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद में स्टॉकिस्टों को अपना स्टॉक खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। कम आपूर्ति का असर कुल निर्यात पर देखा जा रहा है क्योंकि सितंबर-24 में जीरा निर्यात फिर से पिछले वर्ष के 17.15 हजार टन की तुलना में 65% कम होकर 5.9 हजार टन हो गया। अप्रैल-23-सितंबर-23 के दौरान कुल जीरा निर्यात में साल-दर-साल 32% की गिरावट हुई है। जीरा की कीमतों के 35600/30000 के सपोर्ट तक फिसलने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 45000 पर देखा जा सकता है।

बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ने से धनिया की कीमतों पर दबाव बने रहने की संभावना है। बाजार में अधिक स्टॉक के कारण कीमतों में अधिक गिरावट की आशंका से स्टॉकिस्टों ने अपना स्टॉक बेच दिया। लेकिन कमजोर उत्पादन अनुमान के चलते गिरावट सीमित रहने की संभावना है। कोटा बाजार में धनिया की हाजिर कीमतें 7964 पर सीमित नुकसान के साथ लगभग स्थिर रही हैं। गुजरात में देरी से बुआई के कारण वर्ष 2023 में अब तक बुआई गतिविधियां धीमी हैं क्योंकि 4 दिसंबर तक गुजरात में धनिया के तहत केवल 97.8 हजार हेक्टेयर में बुआई हुई थी, जबकि पिछले वर्ष 1.75 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। भारत ने पिछले वर्ष के 2.5 हजार टन के मुकाबले सितंबर-23 में लगभग 4 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-सितंबर-23 के दौरान कुल निर्यात 66.2 हजार टन दर्ज किया गया, जो साल-दर-साल 297% अधिक है। धनिया की कीमतों के 6800-8200 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

कपास की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। कमजोर उत्पादन अनुमान और सर्दियों के मौसम में कपास की उभरती मांग से कीमतों में तेजी को समर्थन मिला। अक्टूबर-23 की शुरुआत से 7 दिसंबर तक लगभग 53.6 लाख गांठ कपास की आवक हो चुकी है। 6 दिसंबर तक कपास की दैनिक आवक 1.20 लाख गांठ हुई है। देश भर के विभिन्न कपास उत्पादक क्षेत्रों, मुख्य रूप से आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों में कपास की कीमतों में गिरावट के बाद भारतीय कपास निगम ने करीब 3 लाख गांठ कपास की खरीद की है। भारतीय कपास की कीमतों की प्रतिस्पर्धात्मकता मौजूदा दरों पर निर्यात को अव्यावहारिक बना रही है। कटाई गतिविधियों में प्रगति के साथ नई फसल की आवक में तेजी आने की संभावना है जो निकट भविष्य में अत्यधिक बढ़त को सीमित कर देगी। एमसीएक्स पर कॉटन (दिसम्बर) की कीमतों के 55000-57000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1560-1600 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

घरेलू बाजार में बढ़ती मांग के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। कपास के कम उत्पादन से कुल आपूर्ति कम रहेगी जिससे कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में तेजी का मदद मिल सकती है। कॉटनसीडऑयलकेक की कीमतों के 2750-3000 के दायरे में रहने की उम्मीद है।

बाजार में आपूर्ति कम होने से ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी की उम्मीद है। पिछले साल की तुलना में ग्वार का कुल उत्पादन कम हुआ है, जिससे कीमतों में हर गिरावट पर स्टॉकिस्ट आक्रामक खरीदारी कर रहे हैं। ग्वारमील की घरेलू मांग में भी वृद्धि हुई है जिससे मौजूदा स्तर पर ग्वारसीड की मांग में वृद्धि होगी। ग्वारगम की कमजोर निर्यात संभावनाओं से बढ़त सीमित होने की संभावना है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और अमेरिका में रिग काउंट में गिरावट ने ग्वारगम की निर्यात क्षमता को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिससे ग्वार की कीमतें कम हो गई हैं। ग्वारसीड की कीमतों को जल्द ही 5450 के करीब सपोर्ट मिल सकता है, जबकि रेजिस्टेंस 6100 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 10700 पर सपोर्ट रहने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 12800 पर देखा जा सकता है।

घरेलू बाजार में खरीदारी बढ़ने से मेंथा ऑयल की कीमतों में तेजी आने की संभावना है। वर्ष 2023 में उत्पादन में गिरावट के साथ आपूर्ति में गिरावट हुई है और इससे आगे कीमतों की तेजी को मदद मिल सकती है। लेकिन मेंथा ऑयल का सुस्त निर्यात अभी भी निर्यातकों के लिए बड़ी चिंता का विषय है, जिससे बढ़त सीमित रह सकती है। भारत ने अप्रैल-23-अगस्त-23 के दौरान लगभग 692 टन मेंथा तेल का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष के 886 टन की तुलना में यह 21% कम है। मेंथा ऑयल (दिसम्बर) वायदा की कीमतों को 900 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है और 980 पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण अरंडी की कीमतों में बढोतरी होने की संभावना है। अरंडीमील के निर्यात में बढ़ोतरी की रिपोर्ट से कीमतों में मजबूती आने की संभावना है। भारत ने अप्रैल 23-अक्टूबर 23 के दौरान लगभग 213 हजार टन अरंडी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 189 हजार टन निर्यात हुआ था। अरंडी वायदा की कीमतों के 5800-6300 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों में चार सप्ताह में पहली साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। स्थिरता बनाए रखने के बावजूद, कीमती धातु को महत्वपूर्ण अमेरिकी नौकरी के आंकड़ों से पहले अनिश्चितता का सामना करना पड़ा, जो मार्च में फेडरल रिजर्व दर में कटौती की संभावना का आंकलन करने के लिए महत्वपूर्ण है। फेड दरों में कटौती की उम्मीदों से प्रेरित होकर कीमतें 2,135.40 डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद, कटौती के समय को लेकर अनिश्चितता के कारण 100 डॉलर से अधिक नीचे लुढ़क गई। डॉलर सूचकांक की तीन सप्ताह की गिरावट पर रोक लगने की संभावना है, जिससे अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए सोना अधिक महंगा हो जाएगा। लेकिन सोने की कीमतें 2,006 डॉलर प्रति औंस के स्तर से ऊपर मजबूत सपोर्ट बरकरार रखा है, लेकिन यदि अमेरिकी पेरोल आंकड़ा अपेक्षाओं से अधिक होता है तो दर में कटौती की संभावना इस सपोर्ट को खतरे में डाल सकती है। इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं कि अमेरिकी श्रम बाजार की गति धीरे-धीरे कम हो रही है, जो अधिक उधारी लागत के कारण व्यापक अर्थव्यवस्था में मांग में गिरावट के कारण प्रभावित हुई है। व्यापारियों ने नवंबर के लिए अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार किया, जिसमें 180,000 नौकरियों के बढ़ने की उम्मीद थी। सीएमई के फेडवॉच टूल के अनुसार, बाजार का संेटीमेंट मार्च की शुरुआत में दर में कटौती की 65% संभावना का सुझाव देता है। इसके विपरीत, एक रॉयटर्स पोल ने कम से कम जुलाई तक अपरिवर्तित दरों की संभावना का संकेत दिया। कॉमेक्स पर, सोने की कीमतें 2,080 डॉलर के अपने पिछले रेजिस्टेंस के स्तर से ऊपर बरकरार रहने के लिए संघर्ष कर रही है, और सपोर्ट 1,980 डॉलर के आसपास है। चांदी की कीमतों ने 21.80 डॉलर के करीब अपेक्षित सपोर्ट और 25.60 डॉलर पर रेजिस्टेंस के साथ नरमी के रूझान के साथ कारोबार किया। आगामी दिनों में, एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को बिकवाली दबाव का सामना करना पड़ सकता है, और कीमतों को 61,000 के आसपास सपोर्ट और 63,700 के करीब रेजिस्टेंस रह सकता है। चांदी की कीमतें भी नरमी के रूझान के साथ 72,900 से 76,000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

वैश्विक स्तर पर आपूर्ति सरप्लस और कमजोर चीनी मांग को लेकर चिंताओं के कारण कच्चे तेल में लगातार सातवीं साप्ताहिक गिरावट हुई। लेकिन, सऊदी अरब और रूस के अतिरिक्त ओपेक+ सदस्यों से उत्पादन में कटौती में भाग लेने के आग्रह के बाद कीमतों में थोड़ी रिकवरी हुई। ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों बेंचमार्क जून के अंत के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जो बाजार में अधिक सप्लाई के सेंटीमेंट को दर्शाता है। तेल की कम होती कीमतों ने ओपेक+ को एकजुटता बनाए रखने और बाजार की चिंताओं को दूर करने के लिए मजबूर किया। दुनिया के दो सबसे बड़े तेल निर्यातकों के रूप में सऊदी अरब और रूस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए उत्पादन में कटौती को लागू करने के लिए ओपेक+ के भीतर व्यापक सहयोग का आह्वान किया। ओपेक+ सदस्यों के वादे के बावजूद, दिसंबर 2023 से जनवरी 2024 तक कुल उत्पादन में कमी केवल 350,000 बैरल प्रति दिन रही, जिससे उत्पादन 38.23 मिलियन बैरल प्रति दिन से घटकर 37.92 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गई। चीन की आर्थिक स्थिति और अमेरिकी तेल उत्पादन में वृद्धि के बारे में चिंताओं से बाजार में गिरावट बढ़ गई। भारत में, पिछले महीने में चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर में ईंधन की खपत में गिरावट हुई, जो त्योहारी प्रोत्साहन के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता में यात्रा में कमी के कारण प्रभावित हुई। आगामी दिनों में तेल की कीमतों को बिकवाली के दबाव का सामना करना पड़ सकता है, और कीमतों को 5,780 के करीब सपोर्ट और 6,200 के करीब रेजिस्टेंस रह सकता है। अमेरिका में, नेचुरल गैस वायदा की कीमतें 2.6 डॉलर/एमएमबीटीयू से नीचे लुढ़क गया, जो मांग की तुलना में आपूर्ति के सरप्लस होने के कारण पांच महीने का निचला स्तर है। नवीनतम ईआईए आंकड़ों के अनुसार 117 बिलियन क्यूबिक फीट के अनुमान से अधिक निकासी के बावजूद, रिकॉर्ड-अधिक घरेलू नेचुरल गैस उत्पादन ने उपयोगिताओं को भंडार बनाने की अनुमति दी। इस सप्ताह में, नेचुरल गैस की कीमतों के 200-240 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें तेजी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार कर सकती हैं क्योंकि शीर्ष धातु उपभोक्ता चीन से बेहतर निर्यात आंकड़ों के बाद कमोडिटी क्षेत्र के लिए बेहतर मांग की संभावनाओं का संकेत मिला है। नवंबर में छह महीने में पहली बार चीन का निर्यात बढ़ा, जिससे पता चलता है कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में फैक्ट्रियों की ओर से मांग में लंबे समय तक गिरावट से उबरने के लिए डिस्काउंट मूल्य निर्धारण के माध्यम से खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं। नवंबर 2023 में चीन का व्यापार सरप्लस बढ़कर 68.39 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो बाजार की उम्मीदों से अधिक है, क्योंकि निर्यात में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई, जबकि आयात में मामूली गिरावट देखी गई। दूसरी ओर, मूडीज ने आर्थिक अनिश्चितताओं और संपत्ति बाजार के जोखिमों का हवाला देते हुए चीन की सरकारी क्रेडिट रेटिंग के आउटलुक को स्थिर से नकारात्मक कर दिया है, जिसका असर जारी रह सकता है। तांबें की कीमतें 700-730 के दायरे में कारोबार कर सकती है। चीन में तांबे के आयात का प्रीमियम एक साल के उच्च स्तर 112.50 डॉलर प्रति टन के आसपास रहा, जो चीन में धातु लाने की बढ़ती मांग का संकेत देता है। देश का नवंबर में तांबे का आयात पिछले महीने से 10.1% बढ़कर लगभग दो वर्षों में सबसे अधिक हो गया, क्योंकि घटते स्टॉक और मजबूत युआन ने खरीदारी में रुचि बढ़ा दी। हरित ऊर्जा से औद्योगिक धातुओं की भारी मांग में वृद्धि दर के मामले में तांबा शीर्ष पर है, जबकि चीन के संपत्ति क्षेत्र में कमजोरी भी मांग पर असर डाल सकती है। जिंक की कीमतें 210-230 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेड की कीमतें 178-187 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 190-205 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लंदन मेटल एक्सचेंज में एल्युमीनियम का स्टॉक अगस्त से लगातार खत्म हो रहा है और 443,000 मीट्रिक टन का मुख्य भंडार अब फरवरी के बाद से सबसे कम है। स्टील लॉन्ग (दिसंबर) के 42000-44500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है और गिरावट पर खरीदारी की रणनीति होनी चाहिए।

अमेरिकी जीडीपी और सोना

अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार उम्मीद से बेहतर व्यापार निवेश और मजबूत सरकारी खर्च के कारण तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था पहले के अनुमान की तुलना में अधिक मजबूत गति से बढ़ी। 2023 की तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 5.2% की वार्षिक दर से बढ़ी है, जो 4.9% के पहले अनुमान से संशोधित होकर 5% के पूर्वानुमानित आंकड़े से अधिक है। जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए विकास के दूसरे अनुमान ने पुष्टि की है कि अर्थव्यवस्था अप्रैल से जून तक 2.1% दर से तेजी से बढ़ी है। इससे पता चला कि अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद-वस्तुओं और सेवाओं का कुल उत्पादन - लगभग दो वर्षों में सबसे तेज तिमाही दर से बढ़ा। आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था दो दशकों में पहली बार 'सामान्य स्थिति में वापस' आ गई है, लेकिन बाजार ब्याज दरों में कटौती की संभावित गति से आगे है।

सोने की कीमतों पर अमेरिकी जीडीपी का प्रभाव जटिल है और यह मुद्रास्फीति, ब्याज दरों, आर्थिक अनिश्चितता और वैकल्पिक निवेश विकल्पों सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

बेहतर आर्थिक दृष्टिकोण और ब्याज दरें

अमेरिकी जीडीपी का एक मजबूत और स्थिर विकास दृष्टिकोण आर्थिक अनिश्चितता को कम कर सकता है और सोने जैसी सुरक्षित-संपत्ति की आवश्यकता को कम कर सकता है। इससे संभावित रूप से मांग घट जाती है और सोने की कीमतें कम हो जाती हैं। लेकिन उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के बावजूद बाजार में इस बात की संभावना बढ़ रही है कि धीमी अर्थव्यवस्था फेडरल रिजर्व को अगले साल की पहली तिमाही में ब्याज दरों में कटौती करने के लिए मजबूर करेगी। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों ने आने वाले महीनों में दर में कटौती की संभावना जताई और उम्मीद व्यक्त की है कि विकास धीमा रहेगा और मुद्रास्फीति में नरमी जारी रहेगी, जिससे 10 साल के ट्रेजरी नोट पर यील्ड ढाई महीने के निचले स्तर 4.2210% पर आ गई है।

कम ब्याज दरों से गैर-यील्ड वाली संपत्ति के रूप में सोने को लाभ होगा क्योंकि वे बांड से और अन्य बाजारों में अधिक लिक्वीडिटी को बढ़ावा देंगे, जबकि भू-राजनीतिक तनाव को लेकर अनिश्चितता निवेशकों को दुनिया के सबसे पुराने स्टोर वैल्यू की सुरक्षा की तलाश करने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे सोने की कीमतों वृद्धि होगी।

फेड अधिकारियों की हाल ही में लचीली टिप्पणियाँ और उम्मीद से कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने यह उम्मीद बढ़ा दी है कि अमेरिकी ब्याज दरें चरम पर हैं और फेड अगले साल की शुरुआत में दरों में कटौती शुरू कर सकता है। यह सोने की निवेश मांग के लिए सहायक होगा।

अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद और मुद्रास्फीति

यदि अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि जारी रहती है, तो इससे मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है जो डॉलर को कमजोर कर सकता है। कमजोर डॉलर सोने को विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बना सकता है, जिससे कीमतें और बढ़ सकती हैं। निवेशक अक्सर मुद्रास्फीति से बचाव के लिए सोने की ओर रूख करते हैं, क्योंकि बढ़ती कीमतों के साथ-साथ इसका ऐतिहासिक मूल्य भी बढ़ता है। यह बढ़ी हुई मांग सोने की कीमतों को बढ़ाती है।

वर्तमान में सोने की कीमतें 2,111.39 डॉलर के अब तक के उच्च स्तर पर पहुंच गई और 7 अगस्त, 2020 को दर्ज पिछले उच्च स्तर को पार कर गई। इसके बाद इस स्तर से थोड़ी गिरावट हुई है। विश्लेषकों ने इस उछाल का श्रेय फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की हाल ही में की गई टिप्पणियों को दिया, जिससे अगले साल की शुरुआत में अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की संभावना के प्रति व्यापारियों का विश्वास बढ़ा। अपने हाल के भाषण के दौरान पॉवेल के रूख से डॉलर सूचकांक और 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में गिरावट हुई, जिससे अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए सोने का आकर्षण बढ़ गया।

अमेरिकी जीडीपी, सोने की कीमत (डॉलर में) और अमेरिकी सीपीआई

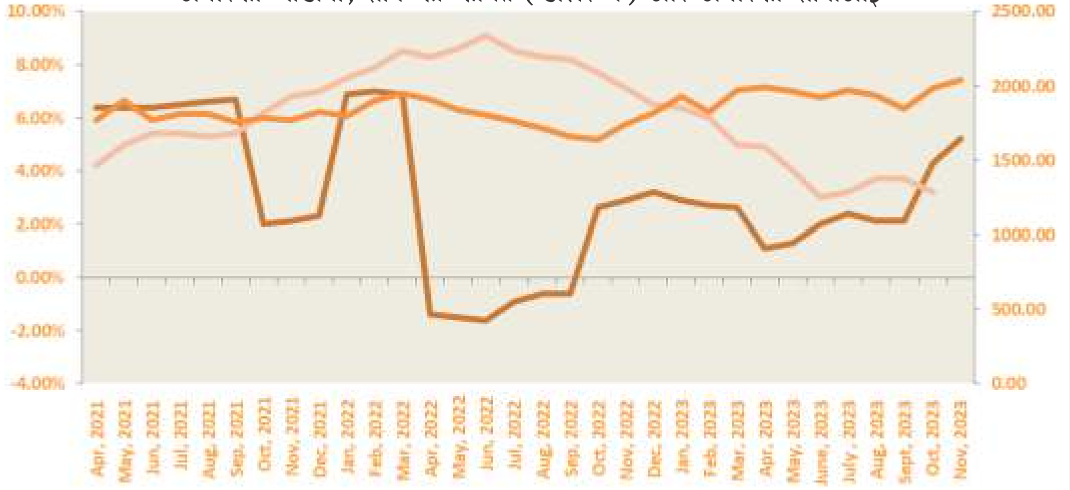

स्रोतः रॉयटर्स

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

smc
moneywise. be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।